



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY.

भाग III—वर्ष 1  
PART III—Volume 1

शासकीय से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

18/2/87

सं. 26]

नई दिल्ली, शुक्रवार 26, 1986/पूष 5, 1908

No. 26]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 26, 1986/PAUSA 5, 1908

इस भाग के भिन्न भृत्यां तथा दी जाती हैं जिससे कि वह असर लंबात ले सके तथा उसे बचाया जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-गी (1)  
के अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1986

निर्देश सं. आई.ए.सा./एक्यू. 6/37/ई/3-86/1742:—अतः मुझे,  
जो एस सो गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-गी  
के अधीन साक्षम अधिकारी को यह विवरास करने का कारण है कि  
स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक  
है और जिसको संख्या \_\_\_\_\_ है तथा जो प्लाट नं. 3, तीसरा खंड,  
737 वर्ग, फॉट, कम्प्युनिटी सेंटर, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपायद्वारा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 6 नई दिल्ली में भारतीय  
रेजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) /1961 के अधीन  
तारीख मार्च 1986 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ये  
विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पश्चात  
प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल, मिस्न-

लिकित उद्देश्य से उक्त असरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
प्रोत्तया:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिसमें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-गी के अनुसरण में, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिस्न-  
लिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स पंकज एंटरप्राइजिस,  
ई-301, ईस्ट ब्राफ कैलाश, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री. पंकज गुप्ता, वैरिज ट्रस्ट  
13, कम्प्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली । (अन्तरित)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के लिए आवधारी रुक करता है। उक्त सम्पत्ति के घरेन के संबंध में कोई भी आवेदन:

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिकारित हैं, वहीं प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

737 घर्ग कोट, लीसरा बांड, प्रोपोज़ बिल्डिंग,  
प्लाट नं. 3, कम्यूनिटी सेंटर  
श्रीत विहार, दिल्ली ।

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

#### NOTICES UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 24th December, 1986

Ref. No. IAC/Acq. VI/37EE/3-86-1742.—Whereas I, S.C. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Community Centre, Preet Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

2. Pankaj Gupta Marriage Trust  
13, Community Centre,  
New Friends Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official gazette.

**Explanation:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"737 sq. ft. area on IIIrd floor in the proposed building at Plot No. 3, Community Centre Preet Vihar, Delhi."

मिर्देस सं. आई ए.सी./एक्ट 6/37ई/3/86/1736:—अतः मृत्ति वा एक्ट. सं. मुख्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात्म 'उक्त अधिनियम') कहा जाता है की वारा 269-B के अधीन सम्बल प्रविधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट नं. 3 कम्यूनिटी सेंटर, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अधीन रेंज 8 मर्ड दिल्ली में भारतीय रविस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के प्रधीन तारीख मार्च 1986 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वे विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, तिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण 'से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरके के आविष्करण में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(घ) ऐसों किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्करण को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना आहुए था, जिसमें में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के मनुसूरक में, उक्त सम्पत्ति अधिनियम की वारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्ति:—

1. मैर्ली पैकज इंटरप्राइजिस

E-301, ईस्ट फ्रांकलास, मई दिल्ली

(अन्तरक)

2. यिस घुटने गृहा E-301, ईस्ट बाक कैलाश, नई दिल्ली।  
(प्रमाणित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन;

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तारीख सम्मिलित वर्ष की तारीख से 30 दिन की अवधि जो अवधि वायर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्थानिकों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापक अर्थात् है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यका

फ्लॉट 470 बाग फोट 1, प्रथम बाँड, 1 प्रोजेक्ट बिल्डिंग  
प्लाट नं. 3, कम्पनीटो सेंटर,  
प्रीत विहार, दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37EE-3-86-1736.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Community Centre, Preet Vihar, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 Range, New Delhi on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);
- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

2. Miss Poonam Gupta E-301, East of Kailash  
New Delhi.

(Transfereree)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"470 sq. ft. area on 1st floor in the proposed building at Plot No. 3, Community Centre, Preet Vihar, Delhi".

मिर्चेंग सं. भार्ड. ए. सो./एस्यू./6/37EE/3-86/1747:—भ्रात भूमि, अ; एस. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषेश में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है) की धारा 269-क के अन्तर्गत स्थान अधिकारी की यह विवाह करने का धारा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और विवाही सम्बन्ध—है तथा जो प्लाट नं. 3, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कावीलय सहायक आयकर आमूल्य (विरोधाग्र) अर्जन रेंज 6 वर्षीय दिल्ली में आरंभीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जारी 1986 का प्रक्रम संघर्षित के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दूसरोंका प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और भूमि ये विवाह करने का भारतीय है कि पक्षाधीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिगोष्ठी प्रतिक्रिया में, ऐसे दृष्टिगोष्ठी प्रतिक्रिया के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्षीय) और अन्तरिती (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, विवाहित उद्देश से उक्त सम्बन्ध लिखित भास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों को, जिन्हें आरंभीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए वा, जिससे में सुविधा के लिए,

अतः यह उक्त अधिनियम के धारा 269-क के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

1. मैरस बंक एंटरप्राइजिस  
E-301, ईस्ट बाक कैलाश, नई दिल्ली। (प्रनतरक)

2. श्री पंकज गुप्ता, E-301 ईस्ट बाक कैलाश, नई दिल्ली। (प्रमाणित)

इसी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

लकड़ा सम्पत्ति के अर्थात् के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना

- (क) इस त्रूपता के राबवल में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि वाली तात्पर्यता की व्यविधियों पर त्रूपता को तारीख से 30 दिन की अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णसंगत व्यविधियों में किसी व्यविधि द्वारा ;

(ज) इस त्रूपता के राबवल में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर तत्परता में हितवद्धु किसी प्रथा व्यविधि द्वारा, व्यावहारिकतात्त्वी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

**प्राचीनता :**—इसमें प्रबृहत वस्त्रों और पश्चों का, जो धोयकर अविनियम 1961 (1961 का 43) के वस्त्राव 20-ए में वस्त्र परिवर्तित है, यही वर्ष हीना, जो उस वस्त्राव में विद्या वस्त्र है।

४८५

"873 ਵਰਫ਼ ਲੋਡ, ਰੀਤਾ ਬਦ,  
ਭਾਰੀਂਦ ਵਿਸਿਂਦ, ਪਾਟ ਨੰ. 3,  
ਗੀਤ ਵਿਕਾਰ, ਚਿੱਠੀ।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37BE/3-86/1747-Whereas I,  
S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Preet Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi VI on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
  - (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transfector)

2. Sh. Pankaj Gupta, E-301, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transforce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## **THE SCHEDULE**

"873 sq. ft. on 3rd floor in the proposed building at Plot No. 3, Preet Vihar, Delhi."

विवरण हैं, बाईं, ए. सी./एसू./८/; २४३/३-८८/१७४८--उत्तर: यह, जी ऐड. सो. दूसरा आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा था है) की बात २८९ के अधीन लेना अधिकारी को यह विवास करने का कारब्द है कि खाजार मुख्यता, विसका उचित बाजार मूल्य १,००,०००/- रु. से अधिक है और विसकी संख्या प्लाट म. ३, है तथा जो श्रीत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (झीर इसके उपायकर बनुद्दो में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कामिनी, लहायकर आयकर आयुक्त (निरोक्षक) पर्यवेक्षण रें ६, नई दिल्ली में भारतीय राजस्टानीकरण अधिनियम, १९६१ के अधीन लारीक भार्ज १९८६ को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृष्ट्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और युह ये विवास करने का कारब्द है कि यकायूक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यामान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यामान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को जावत आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट 'नहीं' किया गया था, किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित प्रक्रियाएँ, पर्याप्त हैं:-

१. गैसर संपर्क एंटरप्राइजिस  
इ-३०१, इंस्टी ऑफ कैम्बिया, नई दिल्ली । (भृत्यराफ)
  २. मिशन पूर्वगुल्मा ऐरिया ट्रैस्ट,  
सी-४२२, निर्माण विहार, दिल्ली । (अमेत्यरिटी)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगित हैं, यहाँ भर्त होगा, जो उत्तराधिकार में दिया गया है।

अनुसूची

“702 वर्ग फॉट थील, प्रथम लैंड, प्रोपोज्ड बिल्डिंग  
प्लाट नं. 3, प्रीत विहार, कम्युनिटी सेंटर,  
नई दिल्ली।

तारीख: 24-12-86

मीहर:

ए. सी. गुप्ता, संशम अधिकारी

Ref. No. IAC/Acq. R- VI/37EE/3-86/1748.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, Preet Vihar, Community Centre, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely—

M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash  
New Delhi.

(Transferor)

Miss Poonam Gupta, Marriage Trust, C-422, Nirman Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

“702 sq. ft. area on 1st floor in the proposed building at Plot No. 3, Preet Vihar, Community Centre, Delhi”.

Dated 24th Dec. 1986.

S. C. GUPTA, Competent Authority

